लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम The Tribune
दिनांक 20.8.2020 पृष्ठ सं 2 कॉलम 6.7

HAU top agri varsity

HISAR, AUGUST 19

Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU) here has topped among agricultural universities in the country in Atal Ranking of Institutions of Innovation Achievements.

Vice Chancellor Samar Singh stated that it was a big boost to the university. Dr Seema Rani, nodal officer, said the HAU got the ranking based on six main parameters.

"The HAU had contributed significantly to the Green Revolution and White Revolution during the 1960s and 1970s," she said. — TNS

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भूमि
दिनांक 20.8.2020 पृष्ठ सं 1 कॉलम 2.6

सरकारी व सरकारी सहायता प्राप्त विश्वविद्यालयों की श्रेणी में तीसरे नंबर पर

हकृवि को एआरआईआईए में कृषि विश्वविद्यालयों में मिला पहला स्थान

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से जारी अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ऑन इनोवेशन एंड एचीवमेंटस (एआरआईआईए) में कृषि विश्वविद्यालयों में देशभर में प्रथम स्थान हासिल किया है। सरकारी व सरकारी सहायता प्राप्त विश्वविद्यालयों के सभी विश्वविद्यालयों की श्रेणी में देशभर में तीसरा स्थान मिला है। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि इस प्रकार की उपलब्धियां निरंतर विश्वविद्यालय को उन्नति के पथ पर अग्रसर करेंगी और विश्वविद्यालय को ओर अधिक मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित करेंगी। रैंक बैंड केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू की अध्यक्षता में जारी किया गया।

सराहनीय

- रैंक बैंड केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू की अध्यक्षता में जारी किया गया

गृह विज्ञान कॉलेज को मिला था प्रदेश में प्रथम स्थान

विवि कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि इसी वर्ष केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय द्वारा नेशनल इस्टीट्यूशनल रैंकिंग फेरमवर्क (एनआईआरएफ) में विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय को देशभर में 49वां स्थान जबकि प्रदेश में पहला स्थान मिला था। पहली बार कृषि विश्वविद्यालयों में से एक मात्र गृह विज्ञान महाविद्यालय हिसार को इस सूची में शामिल किया गया था।

प्रो. समर सिंह

ये निर्धारित किए गए थे मापदंड

अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशंस ऑन इनोवेशन एंड एचीवमेंटस की विश्वविद्यालय की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस रैंकिंग प्रणाली का नाम पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर रखा गया है जिसका मुख्य उद्देश्य उच्च शिक्षण संस्थानों में नवोन्मेष को बढ़ावा देने के लिए ही इस प्रणाली को शुरू किया गया है। इसमें कई सूचकों के आधार पर शिक्षण संस्थाओं को रैंकिंग दी जाती है।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय को मिली इस रैंकिंग के लिए केंद्र सरकार द्वारा जो मापदंड निर्धारित किए गए हैं उनमें बौद्धिक संपदा अधिकार, इनोवेशन, स्टार्ट-अप तथा उद्यमिता के कार्यक्रम व गतिविधियां, आई एंड ई को स्पोर्ट करने के लिए प्री-इनक्यूबेशन एंड इनक्यूबेशन ढांचा तथा सुविधाओं के 7.5-7.5 प्रतिशत तथा आई एंड ई गतिविधियों को स्पोर्ट करने तथा उनको प्रोत्साहित करने पर खर्च किए गए वार्षिक बजट के लिए 13 प्रतिशत अंक निर्धारित किए गए थे। इनोवशन, बौद्धिक संपदा अधिकार, शोध तथा उद्यमिता कोर्सेज के लिए पांच प्रतिशत, बौद्धिक संपदा, तकनीक हस्तांतरण तथा वाणिज्यकरण के लिए 32 प्रतिशत व सफल इनोवशन स्टार्ट-अपस के लिए 35 प्रतिशत अंक निर्धारित किए गए थे। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से इस रैंकिंग के लिए 2019 में आवेदन किया था। इस साल 674 उच्च शिक्षा संस्थानों ने रैंकिंग के लिए आवेदन किया था।

हिसार। विश्वविद्यालय के गेट नं 4 का फाइल फोटो।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 20.8.2020 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 3-5

अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ऑन इनोवेशन एंड एचीवमेंट्स में

हिसार के एचएयू ने देशभर के कृषि विश्वविद्यालयों में पहला स्थान पाया

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू की उपलब्धियों में अब एक और उपलब्धि जुड़ गई है। विवि ने भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से जारी अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ऑन इनोवेशन एंड एचीवमेंट्स में कृषि विश्वविद्यालयों में देशभर में प्रथम स्थान हासिल किया है। सरकारी व सरकारी सहायता प्राप्त विश्वविद्यालयों के सभी विश्वविद्यालयों की श्रेणी में देशभर में तीसरा स्थान मिला है। विवि की यह उपलब्धि कुलपति प्रो. समर सिंह के कुशल नेतृत्व, दूरगामी व सकारात्मक सोच और टीम भावना का ही परिणाम है। कुलपति प्रो. समर सिंह ने इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी है। रैंक बैंड भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की ओर से उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू की अध्यक्षता में जारी किया गया। विश्वविद्यालय की ओर से इस रैंकिंग के लिए 2019 में आवेदन किया था। इस साल 674 उच्च शिक्षा संस्थानों ने रैंकिंग के लिए आवेदन किया था।

विवि के कुलपति प्रो. समर सिंह ने बताया कि इसी वर्ष केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2020 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय को देशभर में 49वां स्थान जबकि प्रदेश में पहला स्थान मिला था।

ये मापदंड किए गए थे निर्धारित

अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ऑन इनोवेशन एंड एचीवमेंट्स की विवि की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस रैंकिंग प्रणाली का नाम भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर रखा गया है। विश्वविद्यालय को मिली इस रैंकिंग के लिए भारत सरकार द्वारा जो मापदंड निर्धारित किए गए हैं उनमें बौद्धिक संपदा अधिकार, इनोवेशन, स्टार्ट-अप तथा उद्यमिता के कार्यक्रम व गतिविधियां, आई एंड ई को स्पोर्ट करने के लिए प्री-इनक्यूबेशन एंड इनक्यूबेशन ढांचा तथा सुविधाओं के 7.5-7.5 प्रतिशत तथा आई एंड ई गतिविधियों को स्पोर्ट करने तथा उनको प्रोत्साहित करने पर खर्च किए गए वार्षिक बजट के लिए 13 प्रतिशत अंक निर्धारित किए गए थे। इनोवशन, बौद्धिक संपदा अधिकार, शोध तथा उद्यमिता कोर्सेज के लिए पांच प्रतिशत, बौद्धिक संपदा, तकनीक हस्तांतरण तथा वाणिज्य करण के लिए 32 प्रतिशत व सफल इनोवशन स्टार्ट-अपस के लिए 35 प्रतिशत अंक निर्धारित किए गए थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 20.8.2020 पृष्ठ सं 2 कॉलम 6

एचएयू में कृषि में विविधता व तकनीकों पर होगा मंथन, कृषि मंत्री से जुड़ेंगे किसान

हिसार| एचएयू में कृषि में विविधिकरण और नई तकनीकों को लेकर ऑनलाइन मंथन होगा। इस ऑनलाइन मंथन में कृषि मंत्री जेपी दलाल व विवि के कृषि वैज्ञानिकों से किसान ऑनलाइन रूबरू हो पाएंगे। इसके लिए किसानों को विवि की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा। ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन कृषि महाविद्यालय के वानिकी विभाग द्वारा किया जाएगा। वेबिनार 22 अगस्त को सुबह 10 बजे से होगा। किसान को यदि कोई जानकारी चाहिए तो वह 9466403598 पर संपर्क कर सकता है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम....अमर उजाला....
दिनांक 20.8.2020 पृष्ठ सं....1.... कॉलम....1....

कृषि में विविधता व तकनीक को लेकर ऑनलाइन मंथन 22 को

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि में विविधीकरण व नई तकनीकों को लेकर ऑनलाइन मंथन होगा। इस ऑनलाइन मंथन में हरियाणा के कृषि मंत्री जेपी दलाल व विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों से किसान ऑनलाइन रूबरू हो सकते हैं। इसके लिए किसानों को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा। कुलपति प्रो. समर सिंह ने किसानों से आह्वान किया है कि इस कार्यक्रम में जुड़कर किसान अधिक से अधिक लाभ उठाएं। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. विरेंद्र दलाल ने बताया कि वेबिनार का आयोजन कृषि महाविद्यालय के वानिकी विभाग द्वारा किया जाएगा, जो 22 अगस्त को सुबह 10 बजे शुरू होगा और दोपहर 2 बजकर 20 मिनट पर समाप्त होगा। कार्यक्रम को चार सत्रों में विभाजित किया गया है। कार्यक्रम का विषय 'कृषि में विविधता : किसानों की आजीविका में सुधार के लिए अभिनव कार्यक्रम' होगा। वेबिनार में जुड़ने के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर किसान पोर्टल पर इसका लिंक दिया गया है। इस दौरान किसानों के लिए ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता में प्रथम दस स्थान हासिल करने वाले किसानों को सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगिता में वेबिनार के दौरान कृषि विशेषज्ञों द्वारा चार सत्रों में दी गई जानकारी से ही सवाल पूछे जाएंगे। उन्होंने बताया कि वेबिनार में पंजीकृत सभी किसानों को ई-सर्टिफीकेट दिए जाएंगे। किसान घर बैठे ऑनलाइन जुड़कर लाभान्वित हो सकते हैं।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 20.8.2020 पृष्ठ सं 2 कॉलम 3.5

प्रदेश के कृषि मंत्री व कृषि विज्ञानियों से ऑनलाइन रूबरू होंगे जिले के किसान

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि में विविधिकरण व नई तकनीकों को लेकर ऑनलाइन मंथन होगा। इस ऑनलाइन मंथन में प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, हरियाणा सरकार के कृषि मंत्री जेपी दलाल व विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञानियों से किसान ऑनलाइन रूबरू हो सकते हैं। इसके लिए किसानों को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा। विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने किसानों से आह्वान किया है कि इस कार्यक्रम में जुड़कर अधिक से अधिक लाभ उठाएं।कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. विरेंद्र दलाल ने बताया कि इस ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन कृषि महाविद्यालय के वानिकी विभाग द्वारा किया जाएगा जो 22 अगस्त को प्रात : 10 बजे शुरू होगा और दोपहर 2 बजकर 20 मिनट पर समाप्त होगा। कार्यक्रम को चार सत्रों में विभाजित किया गया है। कार्यक्रम का विषय 'कृषि में विविधता : किसानों की आजीविका में सुधार के लिए अभिनव कार्यक्रम' होगा। इस कार्यक्रम में प्रगतिशील किसान भी किसानों से ऑनलाइन सीधा संवाद करेंगे। इसमें किसानों की घटती जोत से बेहतर तकनीकों और कृषि विविधिकरण द्वारा अधिकाधिक उत्पादन प्राप्त करने के तरीकों पर मंथन होगा। इस कार्यक्रम के संबंध में किसी भी किसान को यदि कोई जानकारी चाहिए तो वह 9466403598 पर संपर्क कर सकता है। वेबिनार में जुड़ने के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर किसान पोर्टल पर इसका लिंक दिया गया है। इस दौरान किसानों के लिए ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा। इसमें किसानों को नई-नई तकनीकों के बारे में जानने का अवसर भी प्राप्त होगा।

होगा मंथन

- चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि में विविधता व तकनीकों को लेकर होगा ऑनलाइन मंथन

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........पंजाब केसरी........
दिनांक....20. 8. 2020.... पृष्ठ सं.....4..... कॉलम.....8.....

अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीच्यूशन्स ऑन इनोवेशन एंड एचीवमैंट्स

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार ने पाया पहला स्थान

चंडीगढ़, 19 अगस्त (बंसल): मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार की ओर से जारी अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीच्यूशन्स ऑन इनोवेशन एंड एचीवमैंट्स में कृषि विश्वविद्यालयों में देशभर में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार ने प्रथम स्थान हासिल किया है।

सरकारी व सरकारी सहायता प्राप्त विश्वविद्यालयों के सभी विश्वविद्यालयों की श्रेणी में देशभर में तीसरा स्थान मिला है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि यह

■ पहली बार कृषि विश्वविद्यालयों में से महाविद्यालय हिसार को सूची में किया गया शामिल

उपलब्धि कुशल नेतृत्व, दूरगामी व सकारात्मक सोच और टीम भावना का ही परिणाम है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की उपलब्धियां निरंतर विश्वविद्यालय को उन्नति के पथ पर अग्रसर करेंगी। रैंक बैंड भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की ओर से उपराष्ट्रपति वैंकैया नायडू की अध्यक्षता में जारी किया गया।

प्रो. समर सिंह ने बताया कि इसी वर्ष केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2020 के लिए जारी नैशनल इंस्टीच्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय को देशभर में 49वां स्थान जबकि प्रदेश में पहला स्थान मिला था। खास बात यह थी कि पहली बार कृषि विश्वविद्यालयों में से एक मात्र गृह विज्ञान महाविद्यालय हिसार को इस सूची में शामिल किया गया था।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम ......पंजाब केसरी......
दिनांक 20.8.2020 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 8

कृषि मंत्री व कृषि वैज्ञानिकों से ऑनलाइन रूबरू होंगे किसान

हिसार, 19 अगस्त (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि के विविधिकरण व नई तकनीकों को लेकर ऑनलाइन मंथन होगा। इसमें प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, हरियाणा सरकार के कृषि मंत्री जे.पी. दलाल व विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों से किसान ऑनलाइन रूबरू हो सकते हैं। इसके लिए किसानों को विश्वविद्यालय की वैबसाइट पर जाकर ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. समर सिंह ने किसानों से आह्वान किया है कि इस कार्यक्रम में जुड़कर किसान अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. विरेंद्र दलाल ने बताया कि इस ऑनलाइन वैबिनार का आयोजन कृषि महाविद्यालय के वानिकी विभाग द्वारा किया जाएगा जो 22 अगस्त को प्रातः 10 बजे से दोपहर 2:20 तक चलेगा। कार्यक्रम को 4 सत्रों में विभाजित किया गया है। कार्यक्रम का विषय 'कृषि में विविधता, किसानों की आजीविका में सुधार के लिए अभिनव कार्यक्रम' होगा। इस दौरान किसानों के लिए ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता में प्रथम 10 स्थान हासिल करने वाले किसानों को सम्मानित किया जाएगा। वैबिनार के दौरान कृषि विशेषज्ञों द्वारा 4 सत्रों में दी गई जानकारी से ही सवाल पूछे जाएंगे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 14.8.2020 पृष्ठ सं. — कॉलम —

एचएयू देश के टॉप-थ्री विश्वविद्यालयों में शुमार

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: इनोवेशन के क्षेत्र में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आइआइटी) ने अपने दबदबे को बरकरार रखा है। देशभर के उच्च शिक्षण संस्थानों में इनोवेशन से जुड़ी गतिविधियों को लेकर जारी अटल रैंकिंग में आइआइटी मद्रास ने फिर से शीर्ष पर जगह बनाई है, जबकि दूसरे स्थान पर आइआइटी बांबे और तीसरे स्थान पर आइआइटी दिल्ली रहे हैं। रैंकिंग में शीर्ष के दस संस्थानों में सात आइआइटी हैं। सरकारी विश्वविद्यालयों की श्रेणी में हिसार के चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) ने तीसरा स्थान हासिल किया है। 50 साल पहले 2 फरवरी 1970 को स्थापित हुए इस शिक्षण संस्थान के लिए यह बड़ी उपलब्धि है।

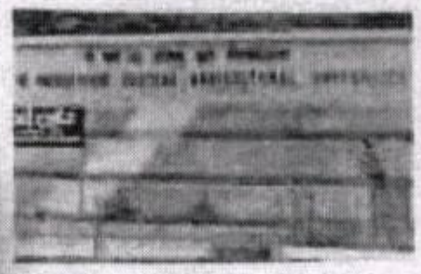

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का प्रतीकात्मक चित्र। – जागरण आर्काइव

प्रमुख कैटेगरी में शीर्ष के संस्थान (रैंकिंग के क्रम में)

राष्ट्रीय महत्व और केंद्रीय विश्वविद्यालय – आइआइटी मद्रास, आइआइटी बांबे, आइआइटी दिल्ली, आइआइएससी बेंगलुरु, आइआइटी खड़गपुर।
सरकारी विश्वविद्यालय – इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, महाराष्ट्र; पंजाब विश्वविद्यालय; चौधरी चरण सिंह कृषि विवि हिसार; आनंद कृषि विवि गुजरात; परियार विवि तमिलनाडु।
महिलाओं से जुड़े सरकारी उच्च शिक्षण संस्थान – इंस्टीट्यूट ऑफ होम साइंस एवं हायर एजुकेशन फॉर वीमन, तमिलनाडु; इंदिरा गांधी टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी ऑफ वीमन, दिल्ली।

शोध और इनोवेशन के क्षेत्र में तेजी से काम करने की जरूरत है। शोधकर्ता किसानों से जुड़ी समस्याओं का समाधान ढूंढने के लिए आगे आएं और उन्हें इनोवेशन के जरिए खेती करने में बेहतर विकल्प उपलब्ध कराएं।
एम वेंकैया नायडू, उपराष्ट्रपति

पहली बार यह रैंकिंग छह कैटेगरी में जारी की गई थी। इनमें पहली बार महिलाओं से जुड़े उच्च शिक्षण संस्थानों को लेकर भी एक अलग कैटेगरी तैयार की गई थी। अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशनल ऑन इनोवेशन अचीवमेंट वर्ष 2020 में कुल 674 संस्थानों ने हिस्सा लिया था। इनमें राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों और केंद्रीय विद्यालयों की कैटेगरी में 62 संस्थान शामिल हुए थे। जबकि सरकारी राज्य विश्वविद्यालयों और डीम्ड विश्वविद्यालयों को कैटेगरी में मिले 38 संस्थान, निजी विश्वविद्यालय और डीम्ड विश्वविद्यालय में 80 और सरकारी कॉलेजों की श्रेणी में 121 संस्थान शामिल हुए थे।

उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने मंगलवार को अटल रैंकिंग-2020 जारी की। इनोवेशन को लेकर

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........हिसार टुडे........
दिनांक 19.8.2020 पृष्ठ सं. — कॉलम —

प्रदेश के कृषि मंत्री व कृषि वैज्ञानिकों से ऑनलाइन रूबरू होंगे किसान

कृषि में विविधता व तकनीकों को लेकर होगा ऑनलाइन मंथन

- अधिक से अधिक लाभ उठाएं किसान : प्रोफेसर समर सिंह

टुडे न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि में विविधिकरण व नई तकनीकों को लेकर ऑनलाइन मंथन होगा। इस ऑनलाइन मंथन में प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, हरियाणा सरकार के कृषि मंत्री श्री जे.पी. दलाल व विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों से किसान ऑनलाइन रूबरू हो सकते हैं। इसके लिए किसानों को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा। विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने किसानों से आह्वान किया है कि इस कार्यक्रम में जुडकर किसान अधिक से अधिक लाभ उठाएं। यह जानकारी देते हुए कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. विरेंद्र दलाल ने बताया कि इस ऑनलाइन बेबिनार का आयोजन कृषि महाविद्यालय के वानिकी विभाग द्वारा किया जाएगा जो 22 अगस्त को प्रात : 10 बजे शुरू होगा और दोपहर 2 बजकर 20 मिनट पर समाप्त होगा। कार्यक्रम को चार सत्रों में विभाजित किया गया है। कार्यक्रम का विषय 'कृषि में विविधता : किसानों की आजीविका में सुधार के लिए अभिनव कार्यक्रम' होगा। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के कुशल नेतृत्व, दुरगामी, सकारात्मक व किसान हितैषी सोच के तहत् ही इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में प्रगतिशील किसान भी किसानों से ऑनलाइन सीधा संवाद करेंगे जिसमें किसानों की घटती जोत से बेहतर तकनीकों और कृषि विविधिकरण द्वारा अधिकाधिक उत्पादन् प्राप्त करने के तरीकों पर मंथन होगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु विश्वविद्यालय स्तर पर विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया है। इस कार्यक्रम के संबंध में किसी भी किसान को यदि कोई जानकारी चाहिए तो वह 9466403598 पर संपर्क कर सकता है। वेबिनार में जुडने के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर किसान पोर्टल पर इसका लिंक दिया गया है।

किसानों के लिए होगी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

इस दौरान किसानों के लिए ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता में प्रथम दस स्थान हासिल करने वाले किसानों को सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगिता में वेबिनार के दौरान कृषि विशेषज्ञों द्वारा चार सत्रों में दी गई जानकारी से ही सवाल पूछे जाएंगे। उन्होंने बताया कि वेबिनार में पंजीकृत सभी किसानों को ई-सर्टिफीकेट दिए जाएंगे। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने विश्वविद्यालय के प्रदेश भर में स्थित कृषि विज्ञान केंद्रों के अधिकारियों से अपील की है कि वे अधिक-से-अधिक जानकारी देकर इस कार्यक्रम से किसानों को जोडें ताकि कोविड-19 के चलते घर बैठे ही किसान इससे लाभान्वित हो सकें। इस कार्यक्रम के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि में परम्परागत खेती की जगह विविधिकरण को अपनाने, ग्रामीण युवाओं को कृषि क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध करवाने जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम सिटी पल्स
दिनांक 19.8.2020 पृष्ठ सं..... कॉलम.....

प्रदेश के कृषि मंत्री व कृषि वैज्ञानिकों से ऑनलाइन रूबरू होंगे किसान

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि में विविधिकरण व नई तकनीकों को लेकर ऑनलाइन मंथन होगा। इस ऑनलाइन मंथन में प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, हरियाणा के कृषि मंत्री जे.पी. दलाल व विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों से किसान ऑनलाइन रूबरू हो सकते हैं। इसके लिए किसानों को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा। विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने किसानों से आह्वान किया है कि इस कार्यक्रम में जुड़कर किसान अधिक से अधिक लाभ उठाएं। यह जानकारी देते हुए कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. विरेंद्र दलाल ने बताया कि इस ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन कृषि महाविद्यालय के वानिकी विभाग द्वारा किया जाएगा जो 22 अगस्त को प्रात : 10 बजे शुरू होगा और दोपहर 2 बजकर 20 मिनट पर समाप्त होगा। कार्यक्रम को चार सत्रों में विभाजित किया गया है। कार्यक्रम का विषय 'कृषि में विविधता : किसानों की आजीविका में सुधार के लिए अभिनव कार्यक्रम' होगा। इस दौरान किसानों के लिए ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता में प्रथम दस स्थान हासिल करने वाले किसानों को सम्मानित किया जाएगा।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम सिटी पल्स
दिनांक 19.8.2022 पृष्ठ सं. — कॉलम —

हकृवि को अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ऑन इनोवेशन एंड एचीवमेंटस में मिला पहला स्थान

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से जारी अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ऑन इनोवेशन एंड एचीवमेंटस में कृषि विश्वविद्यालयों में देशभर में प्रथम स्थान हासिल किया है। सरकारी व सरकारी सहायता प्राप्त विश्वविद्यालयों के सभी विश्वविद्यालयों की श्रेणी में देशभर में तीसरा स्थान मिला है। विश्वविद्यालय की यह उपलब्धि कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के कुशल नेतृत्व, दूरगामी व सकारात्मक सोच और टीम भावना का ही परिणाम है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की उपलब्धियां निरंतर विश्वविद्यालय को उन्नति के पथ पर अग्रसर करेंगी और विश्वविद्यालय को ओर अधिक मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित करेंगी। रैंक बैंड भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की ओर से उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू की अध्यक्षता में जारी किया गया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........नभ छोर........
दिनांक 19.8.2020 पृष्ठ सं. — कॉलम —

इंस्टीट्यूशन्स ऑन इनोवेशन एंड एचीवमेंट्स में प्रथम आने पर कुलपति ने दी हकृवि परिवार को बधाई

हिसार/19 अगस्त/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की उपलब्धियों में अब एक और नई उपलब्धि जुड़ गई है। विश्वविद्यालय ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से जारी अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ऑन इनोवेशन एंड एचीवमेंट्स में कृषि विश्वविद्यालयों में देशभर में प्रथम स्थान हासिल किया है। सरकारी व सरकारी सहायता प्राप्त विश्वविद्यालयों के सभी विश्वविद्यालयों की श्रेणी में देशभर में तीसरा स्थान मिला है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की उपलब्धियां निरंतर विश्वविद्यालय को उन्नति के पथ पर अग्रसर करेंगी और विश्वविद्यालय को ओर अधिक मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित करेंगी। रैंक बैंड भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की ओर से उप राष्ट्रपति वेंकैया नायडू की अध्यक्षता में जारी किया गया। कुलपति सिंह ने बताया कि इसी वर्ष केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2020 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय को देशभर में 49वां स्थान जबकि प्रदेश में पहला स्थान मिला था। खास बात यह थी कि पहली बार कृषि विश्वविद्यालयों में से एक मात्र गृह विज्ञान महाविद्यालय हिसार को इस सूची में शामिल किया गया था।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........नभ छोर........
दिनांक 19.8.2020 .... पृष्ठ सं. ....—.... कॉलम ....—....

कृषि में नई तकनीकों को लेकर ऑनलाईन मंथन 22 को

हिसार/19 अगस्त/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि में विविधिकरण व नई तकनीकों को लेकर ऑनलाईन मंथन होगा। इस मंथन में प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, कृषि मंत्री जेपी दलाल व विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों से किसान ऑनलाईन रूबरू हो सकते हैं। इसके लिए किसानों को विश्वविद्यालय की वैबसाइट पर जाकर ऑनलाईन पंजीकरण कराना होगा। यह जानकारी देते हुए कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. विरेंद्र दलाल ने बताया कि इस ऑनलाईन वैबिनार का आयोजन कृषि महाविद्यालय के वानिकी विभाग द्वारा किया जाएगा जो 22 अगस्त प्रात: 10 बजे शुरू होगा और दोपहर 2 बजकर 20 मिनट पर समाप्त होगा। कार्यक्रम को चार सत्रों में विभाजित किया गया है। कार्यक्रम का विषय 'कृषि में विविधता: किसानों की आजीविका में सुधार के लिए अभिनव कार्यक्रम' होगा। इस कार्यक्रम के संबंध में किसी भी किसान को यदि कोई जानकारी चाहिए तो वह 9466403598 पर संपर्क कर सकता है। इस दौरान किसानों के लिए ऑनलाईन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता में प्रथम दस स्थान हासिल करने वाले किसानों को सम्मानित किया जाएगा।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम पांच बजे
दिनांक 19.8.2020 पृष्ठ सं. — कॉलम —

सरकारी व सरकारी सहायता प्राप्त विश्वविद्यालयों की श्रेणी में हकृवि को देशभर में मिला तीसरा स्थान

हकृवि को एआरआईआईए में कृषि विश्वविद्यालयों में मिला देशभर में पहला स्थान

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार की उपलब्धियों में अब एक और नई उपलब्धि जुड़ गई है। विश्वविद्यालय ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से जारी अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ऑन इनोवेशन एंड एचीवमेंटस (एआरआईआईए) में कृषि विश्वविद्यालयों में देशभर में प्रथम स्थान हासिल किया है। सरकारी व सरकारी सहायता प्राप्त विश्वविद्यालयों के सभी विश्वविद्यालयों की श्रेणी में देशभर में तीसरा स्थान मिला है। विश्वविद्यालय की यह उपलब्धि कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के कुशल नेतृत्व, दूरगामी व सकारात्मक सोच और टीम भावना का ही परिणाम है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की उपलब्धियां निरंतर विश्वविद्यालय को उन्नति के पथ पर अग्रसर करेगी और विश्वविद्यालय को ओर अधिक मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित करेगी। रैंक बैंड भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की ओर से उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू

की अध्यक्षता में जारी किया गया।

इसी वर्ष गृह विज्ञान महाविद्यालय को मिला था प्रदेश में प्रथम स्थान

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि इसी वर्ष केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2020 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय को देशभर में 49वां स्थान जबकि प्रदेश में पहला स्थान मिला था। खास बात यह थी कि पहली बार कृषि विश्वविद्यालयों में से एक मात्र गृह विज्ञान महाविद्यालय हिसार को इस सूची में शामिल किया गया था।

ये निर्धारित किए गए थे मापदंड

अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ऑन इनोवेशन एंड एचीवमेंटस की विश्वविद्यालय की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस रैंकिंग प्रणाली का नाम भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर रखा गया है जिसका मुख्य उद्देश्य उच्च शिक्षण संस्थानों में नवोन्मेष को बढ़ावा देने के लिए ही इस प्रणाली को शुरू किया गया है जिसमें कई सूचकों के आधार पर शिक्षण संस्थाओं को रैंकिंग दी जाती है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय को मिली इस रैंकिंग के लिए भारत सरकार द्वारा जो मापदंड निर्धारित किए गए है उनमें बौद्धिक संपदा अधिकार, इनोवेशन, स्टार्ट-अप तथा उद्यमिता के कार्यक्रम व गतिविधियां, आई एंड ई को स्पोर्ट करने के लिए प्री-इनक्यूबेशन एंड इनक्यूबेशन ढांचा तथा सुविधाओं के 7.5-7.5 प्रतिशत तथा आई एंड ई गतिविधियों को स्पोर्ट करने तथा उनको प्रोत्साहित करने पर खर्च किए गए वार्षिक बजट के लिए 13 प्रतिशत अंक निर्धारित किए गए थे। इनोवशन, बौद्धिक संपदा अधिकार, शोध तथा उद्यमिता कोसेंज के लिए पांच प्रतिशत, बौद्धिक संपदा, तकनीक हस्तांतरण तथा वाणिज्य करण के लिए 32 प्रतिशत व सफल इनोवशन स्टार्ट-अपस के लिए 35 प्रतिशत अंक निर्धारित किए गए थे। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से इस रैंकिंग के लिए 2019 में आवेदन किया था। इस साल 674 उच्च शिक्षा संस्थानों ने रैंकिंग के लिए आवेदन किया था।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय लगातार राज्य सरकार, केंद्र सरकार व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से निर्धारित मापदंडों को पूरा करते हुए आगे बढ़ रहा है। विश्वविद्यालय में स्थापित एथिक सेंटर उत्तर भारत का पहला और भारतवर्ष का दूसरा केंद्र है जो इनोवेशन, स्टार्ट-अपस व उद्यमिता को बढ़ावा दे रहा है। इसी प्रकार विश्वविद्यालय में स्थापित दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र, अनुसंधान फार्म सहित कई अन्य केंद्र इसी कड़ी में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह विश्वविद्यालय भारत में कृषि अनुसंधान में अग्रणी है और 1960 और 70 के दशक के दौरान भारत में हरित व श्वेत क्रांति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। विश्वविद्यालय का एक बहुत बड़ा परिसर है और पूरे राज्य में इसके कई अनुसंधान केंद्र है। इसने 1997 में सर्वश्रेष्ठ संस्थान के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पुरस्कार भी जीता है। इस विश्वविद्यालय ने शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार में प्रमुख भूमिका निभाते हुए भारतीय मूल के राष्ट्रीय स्तर के 50,000 से अधिक स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों और अंतरराष्ट्रीय मूल के 6,000 से अधिक छात्र यहां से शिक्षा ग्रहण कर चुके है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........पांच बजे........
दिनांक 19. 8. 2020 पृष्ठ सं. — कॉलम —

हकृवि में 22 अगस्त को कृषि में विविधता व तकनीकों को लेकर होगा ऑनलाइन मंथन

प्रदेश के कृषि मंत्री व कृषि वैज्ञानिकों से ऑनलाइन रूबरू होंगे किसान

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि में विविधिकरण व नई तकनीकों को लेकर ऑनलाइन मंथन होगा। इस ऑनलाइन मंथन में प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, हरियाणा सरकार के कृषि मंत्री श्री जे.पी. दलाल व विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों से किसान ऑनलाइन रूबरू हो सकते हैं। इसके लिए किसानों को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा। विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने किसानों से आह्वान किया है कि इस कार्यक्रम में जुड़कर किसान अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

यह जानकारी देते हुए कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. विरेंद्र दलाल ने बताया कि इस ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन कृषि महाविद्यालय के वानिकी विभाग द्वारा किया जाएगा जो 22 अगस्त को प्रात : 10 बजे शुरू होगा और दोपहर 2 बजकर 20 मिनट पर समाप्त होगा। कार्यक्रम को चार सत्रों में विभाजित किया गया है। कार्यक्रम का विषय 'कृषि में विविधता : किसानों की आजीविका में सुधार के लिए अभिनव कार्यक्रम' होगा।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के कुशल नेतृत्व, दुरगामी, सकारात्मक व किसान हितैषी सोच के तहत् ही इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में प्रगतिशील किसान भी किसानों से ऑनलाइन सीधा संवाद करेंगे जिसमें किसानों की घटती जोत से बेहतर तकनीकों और कृषि विविधिकरण द्वारा अधिकाधिक उत्पादन् प्राप्त करने के तरीकों पर मंथन होगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु विश्वविद्यालय स्तर पर विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया है। इस कार्यक्रम के संबंध में किसी भी किसान को यदि कोई जानकारी चाहिए तो वह 9466403598 पर संपर्क कर सकता है। वेबिनार में जुड़ने के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर किसान पोर्टल पर इसका लिंक दिया गया है।

किसानों के लिए होगी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

इस दौरान किसानों के लिए ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता में प्रथम दस स्थान हासिल करने वाले किसानों को सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगिता में वेबिनार के दौरान कृषि विशेषज्ञों द्वारा चार सत्रों में दी गई जानकारी से ही सवाल पूछे जाएंगे। उन्होंने बताया कि वेबिनार में पंजीकृत सभी किसानों को ई-सर्टिफीकेट दिए जाएंगे।

कार्यक्रम में शामिल होने के लिए विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा ने विश्वविद्यालय के प्रदेश भर में स्थित कृषि विज्ञान केंद्रों के अधिकारियों से अपील की है कि वे अधिक-से-अधिक जानकारी देकर इस कार्यक्रम से किसानों को जोड़ें ताकि कोविड-19 के चलते घर बैठे ही किसान इससे लाभान्वित हो सकें। इस कार्यक्रम के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि में परम्परागत खेती की जगह विविधिकरण को अपनाने, ग्रामीण युवाओं को कृषि क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध करवाने जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम....नित्य शक्ति टाइम्स....

दिनांक 19.8.2020.... पृष्ठ सं....—.... कॉलम....—....

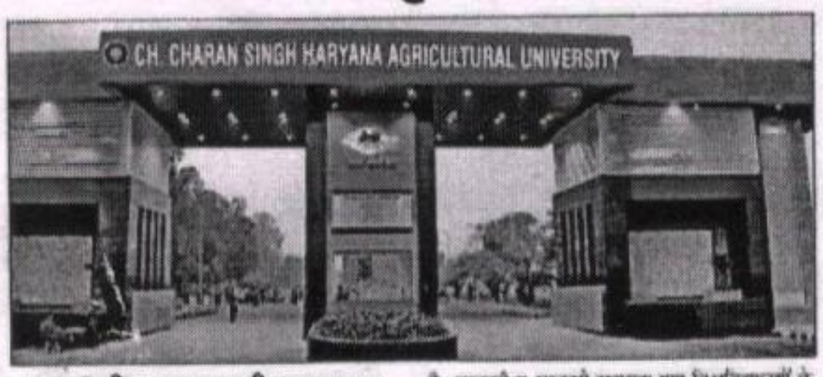

हकृवि को अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ऑन इनोवेशन एंड एचीवमेंटस में कृषि विश्वविद्यालयों में मिला देशभर में पहला स्थान

सरकारी व सरकारी सहायता प्राप्त विश्वविद्यालयों की श्रेणी में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को देशभर में मिला तीसरा स्थान

कुलपति प्रो. समर सिंह ने दी विश्वविद्यालय परिवार को बधाई

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार की उपलब्धियों में अब एक और

नई उपलब्धि जुड़ गई है। विश्वविद्यालय ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से जारी अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ऑन इनोवेशन एंड एचीवमेंटस में कृषि विश्वविद्यालयों में देशभर में प्रथम स्थान हासिल किया है। सरकारी व सरकारी सहायता प्राप्त विश्वविद्यालयों के सभी विश्वविद्यालयों की श्रेणी में देशभर में तीसरा स्थान मिला है।

विश्वविद्यालय की यह उपलब्धि कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के कुशल नेतृत्व, दूरगामी व सकारात्मक सोच और टीम भावना का ही परिणाम है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की उपलब्धियां निरंतर विश्वविद्यालय को उन्नति के पथ पर अग्रसर करेंगी और विश्वविद्यालय को और अधिक मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित करेंगी। रैंक वैंड भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की ओर से उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू की अध्यक्षता में जारी किया गया। इसी वर्ष गृह विज्ञान महाविद्यालय को मिला था प्रदेश में प्रथम स्थान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि इसी वर्ष केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2020 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय को देशभर में 49वां स्थान जबकि प्रदेश में पहला स्थान मिला था।

ये निर्धारित किए गए थे मापदंड

अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ऑन इनोवेशन एंड एचीवमेंटस की विश्वविद्यालय की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस रैंकिंग प्रणाली का नाम भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर रखा गया है जिसका मुख्य उद्देश्य उच्च शिक्षण संस्थानों में नवोन्मेष को बढ़ावा देने के लिए ही इस प्रणाली को शुरू किया गया है जिसमें कई सूचकों के आधार पर शिक्षण संस्थाओं को रैंकिंग दी जाती है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय को मिली इस रैंकिंग के लिए भारत सरकार द्वारा जो मापदंड निर्धारित किए गए हैं उनमें बौद्धिक संपदा अधिकार, इनोवेशन, स्टार्ट-अप तथा उद्यमिता के कार्यक्रम व गतिविधियां, आई एंड ई को स्पोर्ट करने के लिए प्री-इनक्यूबेशन एंड इनक्यूबेशन ढांचा तथा सुविधाओं के 7.5-7.5 प्रतिशत तथा आई एंड ई गतिविधियों को स्पोर्ट करने तथा उनको प्रोत्साहित करने पर खर्च किए गए वार्षिक बजट के लिए 13 प्रतिशत अंक निर्धारित किए गए थे। इनोवेशन, बौद्धिक संपदा अधिकार, शोध तथा उद्यमिता कोर्सेज के लिए पांच प्रतिशत, बौद्धिक संपदा, तकनीक हस्तांतरण तथा वाणिज्य करण के लिए 32 प्रतिशत व सफल इनोवेशन स्टार्ट-अप्स के लिए 35 प्रतिशत अंक निर्धारित किए गए थे। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से इस रैंकिंग के लिए 2019 में आवेदन किया था। इस साल 674 उच्च शिक्षा संस्थानों ने रैंकिंग के लिए आवेदन किया था।

खास बात यह थी कि पहली बार कृषि विश्वविद्यालयों में से एक मात्र गृह विज्ञान महाविद्यालय हिसार को इस सूची में शामिल किया गया था।

निर्धारित मापदंडों को पूरा करने में अहम् योगदान

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय लगातार राज्य सरकार, केंद्र सरकार व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से निर्धारित मापदंडों को पूरा करते हुए आगे बढ़ रहा है। विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक सेंटर उत्तर भारत का पहला और भारतवर्ष का दूसरा केंद्र है जो इनोवेशन, स्टार्ट-अप्स व उद्यमिता को बढ़ावा दे रहा है। इसी प्रकार विश्वविद्यालय में स्थापित दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र, अनुसंधान फार्म सहित कई अन्य केंद्र इसी कड़ी में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि यह विश्वविद्यालय भारत में कृषि अनुसंधान में अग्रणी है और 1960 और 70 के दशक के दौरान भारत में हरित व श्वेत क्रांति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। विश्वविद्यालय का एक बहुत बड़ा परिवार है और पूरे राज्य में इसके कई अनुसंधान केंद्र हैं। इसने 1997 में सर्वश्रेष्ठ संस्थान के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पुरस्कार भी जीता है। इस विश्वविद्यालय ने शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार में प्रमुख भूमिका निभाते हुए भारतीय मूल के राष्ट्रीय स्तर के 50,000 से अधिक स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों और अंतरराष्ट्रीय मूल के 6,000 से अधिक छात्र यहां से शिक्षा ग्रहण कर चुके हैं। यहां से शिक्षित छात्र शिक्षाविदों, प्रशासन, कॉर्पोरेट जगत, उद्योग और व्यापक समुदाय जैसे विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए विश्वविद्यालय की एक संपत्ति के रूप में कार्य कर रहे हैं और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा में अहम् योगदान दे रहे हैं।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम हैलो हिसार
दिनांक 19.8.2020 पृष्ठ सं. — कॉलम —

प्रदेश के कृषि मंत्री व कृषि वैज्ञानिकों से ऑनलाइन रूबरू होंगे किसान

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि में विविधिकरण व नई तकनीकों को लेकर ऑनलाइन मंथन होगा। इस ऑनलाइन मंथन में प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, हरियाणा सरकार के कृषि मंत्री श्री जे.पी. दलाल व विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों से किसान ऑनलाइन रूबरू हो सकते हैं। इसके लिए किसानों को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा। विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने किसानों से आह्वान किया है कि इस कार्यक्रम में जुड़कर किसान अधिक से अधिक लाभ उठाएं। यह जानकारी देते हुए कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. विरेंद्र दलाल ने बताया कि इस ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन कृषि महाविद्यालय के वानिकी विभाग द्वारा किया जाएगा जो 22 अगस्त को प्रात : 10 बजे शुरू होगा और दोपहर 2 बजकर 20 मिनट पर समास होगा। कार्यक्रम को चार सत्रों में विभाजित किया गया है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम पल पल
दिनांक 19.8.2020 पृष्ठ सं — कॉलम —

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को मिला देशभर में पहला स्थान

पल पल न्यूज: हिसार, 19 अगस्त। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार की उपलब्धियों में अब एक ओर नई उपलब्धि जुड़ गई है। विश्वविद्यालय ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से जारी अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ऑन इनोवेशन एंड एचीवमेंटस में कृषि विश्वविद्यालयों में देशभर में प्रथम स्थान हासिल किया है। सरकारी व सरकारी सहायता प्राप्त विश्वविद्यालयों के सभी विश्वविद्यालयों की श्रेणी में देशभर में तीसरा स्थान मिला है। विश्वविद्यालय की यह उपलब्धि कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के कुशल नेतृत्व, दूरगामी व सकारात्मक सोच और टीम भावना का ही परिणाम है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की उपलब्धियां निरंतर विश्वविद्यालय को उन्नति के पथ पर अग्रसर

करेंगी और विश्वविद्यालय को ओर अधिक मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित करेंगी। रैंक बैंड भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की ओर से उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू की अध्यक्षता में जारी किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि इसी वर्ष केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2020 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फेमवर्क में विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय को देशभर में 49वां स्थान जबकि प्रदेश में पहला स्थान मिला था। खास बात यह थी कि पहली बार कृषि विश्वविद्यालयों में से एक मात्र गृह विज्ञान महाविद्यालय हिसार को इस सूची में शामिल किया गया था चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय लगातार राज्य सरकार, केंद्र सरकार व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से निर्धारित मापदंडों को पूरा करते हुए आगे बढ़ रहा है। विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक सेंटर उत्तर भारत का पहला और भारतवर्ष का दूसरा केंद्र है जो इनोवेशन, स्टार्ट-अपस व उद्यमिता को बढ़ावा दे रहा है। इसी प्रकार विश्वविद्यालय में स्थापित दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र, अनुसंधान फार्म सहित कई अन्य केंद्र इसी कड़ी में महत्वपूर्ण भूमिक निभा रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह विश्वविद्यालय भारत में कृषि अनुसंधान में अग्रणी है और 1960 और 70 के दशक के दौरान भारत में हरित व श्वेत क्रांति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।